इस साल हासिल होगा एथेनॉल ब्लेंडिंग टारगेटः ऑयल मिनिस्टर

[काव्या सी | नई दिल्ली]

तेलंगाना ने सोलर पावर के मामले में एक अहम मुकाम हासिल किया है। मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी के मुताबिक भारत के सबसे नए राज्य ने इस साल मध्य जनवरी को खत्म हुए साढ़े छह महीनों में 279.64 मेगावॉट सोलर पावर कैपेसिटी जोड़ी है, जो दूसरे राज्यों से ज्यादा है। हालांकि, सोलर पावर कैपेसिटी जोड़ने के मामले में तमिलनाडु ने तेलंगाना को कड़ी टक्कर दी है। 270.97 मेगावॉट कैपेसिटी ऐड करने के साथ तमिलनाडु दूसरे नंबर पर रहा है। वहीं, राजस्थान ने 217.25 मेगावॉट कैपेसिटी जोड़ी है।

सरकार ने एक दशक पहले पेट्रोल में 5% एथेनॉल मिलाने का टारगेट तय किया था

हालांकि, तमिलनाडु और राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी के मामले में काफी समय से आगे हैं, लेकिन तेलंगाना इस मामले में नया है। राजस्थान सोलर एनर्जी में लीडर है। इसने पिछले साल ही गुजरात को पीछे छोड़ा है। जहां तक तमिलनाडु की बात है तो यह एक दशक से भी ज्यादा समय से विंड एनर्जी प्रॉडक्शन में लीडर है और अब यह राज्य सोलर एनर्जी को लेकर गंभीर हो रहा है। इसके उलट, पिछले साल जून में तेलंगाना की सोलर पावर कैपेसिटी केवल 62.75 मेगावॉट थी। इस अवधि के दौरान भारत की इंस्टॉल्ड सोलर कैपेसिटी 1,246.31 मेगावॉट बढ़कर 5,129.81 मेगावॉट पहुंच गई। देश की कुल इंस्टॉल्ड पावर कैपेसिटी में फिलहाल सोलर पावर की हिस्सेदारी 2 फीसदी से कम है और भारत ने 2021-22 तक 100 गीगावॉट सोलर पावर जेनरेट करने का टारगेट रखा है।

तेलंगाना की टोटल सोलर इंस्टॉल्ड कैपेसिटी 342.39 मेगावॉट हो गई है, जो देश में सातवीं सबसे ज्यादा कैपेसिटी है। पिछले साल जून में तेलंगाना 62.75 मेगावॉट कैपेसिटी के साथ 10वीं पोजिशन पर था। मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी के ज्वाइंट सेक्रेटरी तरुण कपूर ने बताया, 'तेलंगाना की पहल काफी अच्छी है। उसने बिना केंद्र सरकार की संलिप्तता के टेंडर्स निकाले, जिसमें 2,000 मेगावॉट का टेंडर भी शामिल है।